कारण किसी को कष्ट हुआ। इसलिए जहां तक कक्ष का सवाल है, कमरे का सवाल है और जो मुझे दिया गया है, वह मनमोहन सिंह जी को पहले दिया गया था, तो मैं निवेदन करूंगा संसदीय कार्य मंत्री से कि उनको वह कमरा वापस देना चाहिए। मुझे कोई भी कमरा दे दें, मुझे आपत्ति नहीं है। जहां तक मेरा सवाल है, मेरे कारण कोई विवाद नहीं होना चाहिए, मेरा इतना ही अनुरोध है।

MR. CHAIRMAN: I have heard both the sides. I think some solution will come out when we meet the day after tomorrow. So, no more discussion on this.

RE. COMPOSITION OF CENTRAL TEAM VISITING TORNADO-AFFECTED AREAS OF WEST BENGAL AND ORISSA

DR. BIPLAB DASGUPTA (West Bengal): There is another issue, Sir. I want to raise it. You mentioned in the morning about the tornado in West Bengal and Orissa. I understand it has been reported in the other Hosue that a delegation is going there. In that delegation somebody who is an MP has been given the chance to go in this delegation from the Central Government. Is it true or not that Ms. Mamata Bannerji has been asked to represent West Bengal in that delegation? Is it right or not? I would like to know the basis on which Ms. Mamata Bannerji is being sent to West Bengal. So, I would like to know from the Prime Minister whether it is true or not. somebody is going from here. I understand Ms. Mamata Bannerji is also there. No CPI (M) MP is there. No Left Front MP is there. What kind of partisan behaviour are you indulging in (*Interruptions*) Is it consensus politics? (*Interruptions*)

SHRI S. S. AHLUWALIA (Bihar): Sir, they are playing politics. Why should not representatives of all the political parties be sent there to investigate into the whole thing? .....(*Interruptions*)...

MR. CHAIRMAN: I think you should speak one by one. Why should ten Members speak at the same time? Why should all of you stand up at the same time? (*Interruptions*)

SHRI S. S. AHLUWALIA: But...

MR, CHAIRMAN: I have heard your point. Let the Prime Minister speak.

SHRI S. S. AHLUWALIA: They have already said, Sir.

MR. CHAIRMAN: But let me hear him first.

SHRI S. S. AHLUWALIA: Is it the prerogative only of the ruling party?

MR. CHAIRMAN: Let me hear the Prime Minister now. (*Interruptions*)

श्री एस० एस० अहलुवालिया: अरे हमने जो अटल जी को भेजा था युनाइटेड नेशन्स। .....(**व्यवधान**).....

प्रधान मंत्री (श्री अटल बिहारी वाजपेयी): सभापति महोदय, मिदनापुर में और बालासोर के समुद्र से जुड़े हुए क्षेत्र में जो तूफान आया था उसकी खबर आज सवेरे जब मैंने समाचार पत्रों में देखी तो मैंने तत्काल यह फैसला किया कि कृषि मंत्री कुछ अधिकारियों के साथ वहां जाएं। मरने वालों की संख्या बहुत बड़ी है, उसमें दुर्भाग्य से बच्चे भी शामिल हैं। स्थायी सम्पत्ति को भी बहुत नुकसान हुआ है। लेकिन मुझे लगा कि अगर मैं मिदनापुर और बालासोर के संसद सदस्यों को उनके साथ भेज सकूं तो शायद यह अच्छा होगा। इसलिए सबसे पहले मैंने कम्यूनिस्ट पार्टी के नेता श्री इंद्रजीत गुप्त जी से संपर्क स्थापित किया। उन्हें आज जाने में कुछ कठिनाइयां थीं। उन्होंने कहा कि वह मेरा क्षेत्र है और वह उस क्षेत्र के लोगों से संपर्क में हैं लेकिन वह आज नहीं जा सकेंगे। वह अपनी सुविधा के अनुसार शायद कल वहां पहुंचना चाहेंगे। जब यह चर्चा चल रही थी तब बालासोर के पार्लियामेंट के मैम्बर, लोक सभा के मैम्बर मिस्टर स्वैन वहां आ गये और कुमारी ममता बैनर्जी भी आ गयीं। उन्होंने कहा कि हम भी कृषि मंत्री महोदय के साथ जाना चाहते हैं। मैं यह समझता था कि उस सारे क्षेत्र का प्रतिनिधित्व केवल श्री इंद्रजीत गुप्त करते हैं। अगर मुझे पता होता कि और भी संसद के सदस्य इस क्षेत्र के साथ जुड़े हुए हैं तो मैं उन्हें पार्टी के बिना भेदभाव के भेजता। अगर श्री इंद्रजीत गुप्त को मैंने सम्पर्क किया तो यह विचार तो मैंने नहीं किया कि वह दूसरी पार्टी के हैं। प्राकृतिक आपत्ति में भी अगर पार्टी के विचार को हम आने देंगे तो हम इस देश के साथ न्याय नहीं करेंगे, जनता के साथ न्याय नहीं करेंगे।

SHRI JIBON ROY (West Bengal):

How Ms. Mamata Banerjee came into the picture? ...(*Interruptions*)...

DR. BIPLAB DASGUPTA: Sir, Ms. Mamata Banerjee represents Calcutta South which is a long way from Midnapore where this tornado has taken place. There are four other MPs from Midnapore. ...(*interruptions*)... Just a minute. Smt. Geeta Mukherjee is there; you could have asked her. Why is not Smt. Geeta Mukherjee there? What prevented you from asking Smt. Geeta Mukherjee? What prevented you from asking some other MPs from Midnapore? why did Ms. Mamata Banerjee come all the way from Calcutta? Is it not partisan politics? Are you not playing partisan politics?

श्री विष्णु कान्त शास्त्री (उत्तर प्रदेश): इसमें आपत्ति करने की क्या बात है? ..(**व्यवधान**).. यह कोई बात हुई? ..(**व्यवधान**)..

श्री नरेन्द्र मोहन (उत्तर प्रदेश): सभापति महोदय, यह क्या कर रहे हैं? प्रधान मंत्री जी खड़े हुए है और .....(**व्यवधान**)..... महोदय, यह प्राकृतिक आपदा का मामला है। अगर इसमें इस तरह से दलगत आधार पर विभाजन किया जाएगा तो कैसे होगा? यह राजनीति ला रहे हैं। ..(**व्यवधान**)..

DR. BIPLAB DASGUPTA : Sir, you asked for consensus politics. How can we have consensus politics if you play party politics? On what basis was Ms. Mamata Banerjee sent there?

श्री नरेन्द्र मोहन: सभापति जी, प्राकृतिक आपदा के मामले में राजनीति लाना उचित नहीं है। ..(**व्यवधान**)..

श्री औंकार सिंह लखावत (राजस्थान): सर, इनको प्राकृतिक आपदा से कोई मतलब नहीं है। ..(**व्यवधान**)..

DR. BIPLAB DASGUPTA: Sir, let the Prime Minister reply. ...(*Interruptions*)... We don't want to hear him. He is not the Minister. ...(*Interruptions*)...

श्री विष्णु कान्त शास्त्री: इंद्रजीत गुप्त जी को कहा, इसमें कोई अपराध नहीं है। (व्यवधान)

DR. BIPLAB DASGUPTA: Sir, we want to hear it from the Prime Minister. ...(*Interruptions*)...

श्री विष्णु कान्त शास्त्री: यह कोई बात नहीं हो सकती है। ..(**व्यवधान**)..

SHRI NILOTPAL BASU (West Bengal): Sir, it is an unfortunate thing that the Prime Minister. ...(*Interruptions*)...

श्री मोहम्मद सलीम (पश्चिमी बंगाल): केन्द्र सरकार की ओर से वहां भेजा गया, यह अच्छी बात है। अगर प्राकृतिक आपदा होती है तो वहां सरकार तुरन्त कार्यवाही करे, यह अच्छी बात है। लेकिन दिल्ली में जो लोग बैठे हुए हैं मैं प्रधान मंत्री को दोष नहीं देता, मैं सरकार की बात कर रहा हूं, मैं अफसरों की बात कर रहा हूं, उन्हें यह मालूम होना चाहिए कि अगर ..(**व्यवधान**)..

†[شری محمد سلیم: کیندر سرکار کی اور سے وہاں بھیجا گیا - یہ اچھی بات ہے - اگر پراکرتک آپدا ہوتی ہے تو وہاں سرکار تورنت کارروائی کرے - یہ اچھی بات ہے - لیکن دہلی میں جو لوگ بیٹھے ہوئے ہیں - میں پردھان منتری کو دوش نہیں دیتا - میں سرکار کی بات کر رہا ہوں میں افسروں کی بات کر رہا ہوں - انہیں یہ معلوم ہونا چاہیئے کہ اگر ۔۔ "مداخلت" ۔۔۔]

श्री एस०एस० अहलुवालिया: सभापति जी, मैं .....(**व्यवधान**).....

श्री मोहम्मद सलीम: सभापति जी, दो-चार लोगों .....(**व्यवधान**).....

†[شری محمد سلیم: سبھاپتی جی - دو چار لوگوں ۔۔ "مداخلت" ۔۔۔]

श्री संजय निरूपम (महाराष्ट्र): आप पहले बैठिए। प्रधान मंत्री जी अपना पक्ष रखना चाहते हैं। आप पहले उन्हें अपना पक्ष रखने दीजिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री मोहम्मद सलीम: मिदनापुर क्षेत्र में लोक सभा के पांच निर्वाचन क्षेत्र हैं और पूरे देश के अन्दर यही

†[ ]Transliteration in Arabic Script

एक ऐसा जिला है जिसमें पांच लोक सभा के निर्वाचन क्षेत्र आते हैं। मिदनापुर के नाम से जो क्षेत्र है वहां से इन्द्रजीत गुप्त जी सांसद हैं, लेकिन जो कोस्टल बेल्ट है जिसे कांथी क्षेत्र कहते हैं, प्रधान मंत्री जी के दफ़्तर में और एग्रीकल्चर डिपार्टमेंट में जो लोग हैं उन्हें मालूम होना चाहिए कि वह एक टोरनेडोप्रोन क्षेत्र है और वह इलाका उड़ीसा के साथ में जुड़ा हुआ है। उस क्षेत्र से लोक सभा में श्री सुधीर गिरि जी सांसद हैं, मैं उनका नाम यहां पर जानकारी के लिए ले रहा हूं और उसी जिले के अन्य जो तीन सांसद हैं, उनको उनसे भी सम्पर्क स्थापित करना चाहिए था। उसके बाद जो भी निर्णय वह लेते हैं उसका हम समर्थन करेंगे। उनको राज्य सरकार से भी सम्पर्क करना चाहिए। जो कन्सेनसस पॉलिटिक्स की बात की जा रही है उसके लिए आपको कुछ ऐसे निर्णय लेने पड़ेंगे जिससे कि इस प्रकार के और सवाल पैदा न हों और किसी प्रकार का प्रश्न-चिह्न न लगे। ...(व्यवधान)..

†[شری محمد سلیم: مدناپور چھیتر میں لوک سبھا کے پانچ نرواچن چھیتر ہیں اور پورے دیش کے اندر یہی ایک ایسا ضلع ہے جس میں پانچ لوک سبھا کے نرواچن چھیتر آتے ہیں۔ مدناپور کے نام سے جو چھیتر ہے وہاں سے اندرجیت گپتا جی سانسد ہیں لیکن جو کوسٹل بیلٹ ہے جسے کانتی چھیتر کہتے ہیں۔ پردھان منتری جی کے دفتر میں اور ایگریکلچرل ڈپارٹمنٹ میں جو لوگ ہیں انہیں معلوم ہونا چاہیے کہ وہ ایک ٹورنیڈو پرون چھیتر ہے اور وہ علاقہ اڑیسہ کے ساتھ میں جڑا ہوا ہے اس چھیتر سے لوک سبھا میں شری سدھیر گری جی سانسد ہیں۔ میں انکا نام یہاں پر جانکاری کیلئے لے رہا ہوں اور اسی ضلع کے دوسرے جو تین سانسد ہیں انکو ان سے بھی سمپرک استھاپت کرنا چاہیے تھا۔ اسکے بعد جو بھی نرنے وہ لیتے ہیں۔ اس کا ہم سمرتھن کرینگے انکو راجیہ سرکار سے بھی سمپرک کرنا چاہیے۔ جو کنسینسس پالیٹکس کی بات کی جارہی ہے اسکے لئے آپکو کچھ ایسے نرنے لینے پڑینگے جس سے کہ اس پرکار کے اور سوال پیدا نہ ہوں۔ اور کسی پرکار کا پرشن چینہ نہ لگے۔ ...مداخلت...]

†[] Transliteration in Arabic Script.

श्री नरेन्द्र मोहन: सभापति महोदय, यह बात राजनीति दुर्भावना से प्रेरित है। प्रधान मंत्री जी ने स्पष्ट रूप से कहा है कि उन्होंने अपनी ओर से स्वयं विपक्ष के वरिष्ठतम नेता से सम्पर्क किया। ...(व्यवधान)... उसके बाद यह आरोप लगाना कि प्रधान मंत्री कार्यालय द्वारा या प्रधान मंत्री द्वारा राजनीति भेद-भाव किया गया है, अपने आप में सरासर गलत बात है। इस प्रकार की बात ...(व्यवधान)... जो कुछ प्रधान मंत्री जी ने किया है वह समय के अनुकूल थी, वातावरण के अनुकूल थी, आवश्यकता के अनुकूल थी। ...(व्यवधान)...

श्री विष्णु कान्त शास्त्री: यह आपका व्यवहार दिख रहा है। ...(व्यवधान)...

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री राम नाईक): सभापति जी, आप व्यवस्था दीजिए कि प्राकृतिक आपदा का मुद्दा राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित न हो ...(व्यवधान).. उस कांस्टीट्अंसी का नाम मिदनापुर है। जब प्रधान मंत्री जी ने उनको प्राकृतिक आपदा के बारे में बताया तो कम से कम गुप्त जी को यह कहना था कि हमारे क्षेत्र में और भी लोक सभा के सांसद हैं। गुप्त जी को यह बताना चाहिए था कि वहां से मैं अकेला सांसद नहीं हूं और भी सांसद उस क्षेत्र से हैं। ऐसे मामलों में राजनीति लाना उचित नहीं है। ...(व्यवधान)...

SHRI SOMAPPA R. BOMMAI (Orissa): Sir, firstly I congratulate ...(*Interruptions*)...

MR. CHAIRMAN : let Mr. Bommai say something.

SHRI SOMAPPA R. BOMMAI: At the outset, I congratulate the Prime Minister for prompt action with regard to the calamity. At the same time, I do

appreciate the point of the Opposition Members that if the delegation was to go, it should comprise members from the ruling party, alliance parties and from the Opposition particularly from that area. The State Government also should be intimated. That might have been done. I only appeal, I want to know from the Prime Minister whether he is willing to send a delegation consisting of MPs from that area and also member from other areas immediately. ...*(Interruptions)*...

SHRI E. BALANANDAN (Kerala): Sir, this is a serious issue. ...*(Interruptions)*...

श्री एस० एस० अहलुवालिया: महोदय, प्रधान मंत्री जी...**(व्यवधान)**

MR. CHAIRMAN: Mr. Ahluwalia, you have already spoken three times. *(Interruptions)* Let him speak now ...*(Interruptions)*...

श्री एस० एस० अहलुवालिया: प्रधान मंत्री जी ने जो बात कही है, उस पर मैं कहना चाहता हूं...**(व्यवधान)**

श्री सभापति: देखिये, आपने उनको ...**(व्यवधान)** You have already spoken for four times... *(Interruptions)*...

श्री एस० एस० अहलुवालिया: प्रधान मंत्री जी ने अभी अपने अल्फाज में कहा है कि मुझे अखबारों से पता लगा है। महोदय, मैं यह जानना चाहता हूं कि यह घटना कब घटी और यह प्रधान मंत्री कार्यालय को...**(व्यवधान)**

श्री ओ० पी० कोहली (दिल्ली): आप बैठिये ...**(व्यवधान)**

श्री एस० एस० अहलुवालिया: आप बोलते रहिये...**(व्यवधान)**...

श्रीमती मालती शर्मा (उत्तर प्रदेश): महोदय ...**(व्यवधान)**...

श्री एस० एस० अहलुवालिया: बोलते रहिये, हम भी खड़े हैं, आप भी खड़े रहिये।....**(व्यवधान)**...

श्री नरेन्द्र मोहन: आप खड़े हैं, खड़े रहें, हम भी एम० पी० हैं।...**(व्यवधान)**...

श्री एस० एस० अहलुवालिया: सभापति जी, मेरा सीधा सवाल प्रधान मंत्री जी से है।...**(व्यवधान)**

MR. CHAIRMAN: Mr. Ahluwalia, you have spoken four or five times. ..*(Interruptions)*.. Now he wants to speak. ...*(Interruptions)* Anyway, you may have a valid point. ...*(Interruptions)*... The other Members have an equal right. ...*(Interruptions)*...

SHRI S.S. AHLUWALIA: He has already submitted.

MR. CHAIRMAN: He has not submitted so far. He is speaking for the first time. ...*(Interruptions)*... You have already spoken and the Prime Minister has noted it. ...*(Interruptions)*...

SHRI S.S. AHLUWALIA: We want to know his reaction ...*(Interruptions)*... The Prime Minister has given a very wrong statement. ...*(Interruptions)*... I want to draw his attention...*(Interruptions)*... The entire country knows...*(Interruptions)*... The whole world knows ...*(Interruptions)*...

SHRI TRILOKI NATH CHATURVEDI (Uttar Pradesh): We always speak with respect to his people. ...*(Interruptions)*...

SHRI E. BALANANDAN: Sir, when some national calamity comes...*(Interruptions)*...

SHRI S.S. AHLUWALIA: Sir, ... *(Interruptions* ... Sir*, ... *(Interruptions)* ...

MR. CHAIRMAN: Whatever Mr. Ahluwalia is speaking will not go on record. ...*(Interruptions)*...

SHRI S.S. AHLUWALIA: *

MR. CHAIRMAN: Nothing will go on record. ...*(Interruptions)*...

SHRI E. BALANANDAN: The first step taken by the Government...*(Interruptions)*... The first step taken by the Government itself exposes the politics of consensus which has been talked about. ...*(Interruptions)*... The question is that a natural calamity has occurred in West Bengal and Orissa. The Members from

*Not recorded.

those areas are here. The majority of the Members from West Bengal are in the Opposition. Only three Members are not with them. The other Members in the House have not been taken into consideration by the Prime Minister. The Prime Minister is sending a delegation. He ought to have consulted the Opposition. The leaders are here in the House. Why did he not consult them? He has done something to make a political point. He wants to make it a political issue. He wants to make a political capital out of it. It cannot be tolerated by the Opposition which is here in the House. This is absolutely wrong because whatever you talk of and whatever you do is seen in the first step that you have taken in this regard. Therefore, this is a wrong step. I did not expect so much from Mr. Vajpayee immediately. But, it was all wrong. It is a signal for the Opposition and the Indian nation that this Government is not going to respect the State Governments and the State parties. They were talking of so many other things. ...*(Interruptions)*... It was an accident.

3.00 P.M.

That is not the way to work ...*(Interruptions)*...Mere shouting will not solve the problem...*(Interruptions)*...We can also shout ...*(Interruptions)*...The question is, the Government has taken a step ignoring the Opposition which is there and the Members of Parliament who are there from that locality. If they wanted to do something immediately, okay. But, for that, what do they do? Some of the people who were with them have been chosen by the hon. Prime Minister who wanted politics of consensus and discussion with us. What was he talking about? Therefore, he has taken a wrong step on day one itself. Mr. Vajpayee should think over it because this is a wrong thing which we cannot tolerate and we strongly protest against it.

PROF. RAJA RAMANNA (Nominated): Sir, people are suffering at Midnapore and I am somewhat surprised that a party discussion is taking place as to who should be sent and who should not be sent. The main thing is, to give them the assistance straightway. I think, if the hon. Prime Minister feels that some people have been sent for a specific purpose, others also can go. I mean, that does not cost much if they feel so strong about it, but to stop the work of the House is a bad thing.

SHRI E. BALANANDAN: Sir, I would like to make a small point.

MR. CHIRMAN: No. You have already spoken.

SHRI PRANAB MUKHERJEE (West Bengal): Sir, in the morning itself this House passed a resolution expressing its solidarity for the affected people in the district of Midnapore and in the coastal districts of Orissa. Unfortunately, a controversy has arisen. Not only in this kind of situations but in other cases also, the Government sends its team—official team—either headed by a Minister or by some officer just to study the situation on the spot and thereafter to take the necessary relief and other measures in consultation with the State Government. That is the normal practice and we do appreciate that the hon. Prime Minister took a prompt step and sent a delegation. But the limited point which I would like to know from him, if I heard him correctly, is, he said that he came to know about this incident through newspapers. Is the hon. Prime Minister to depend for his information only on newspapers or, as it happened, on the BBC and other television channels which have broadcast this news? Has he no other source of information? Did not the official channel keep him informed about the incident? If it happens like that, if it happens that the hon. Prime Minister comes to know of such incidents only through newspaper reports and not from his own source,

then it is a serious matter. He must pull up his secretariat and other organisations who should keep him informed. What action will be taken by him, is for him.

Secondly, in this type of things, I think, he can draw some conclusions from the observations of the hon. Members. While selecting the political personnel, he should be careful. I know this constituency, particularly, the place where this tornado took place. This comes within the parliamentary constituency of Mr. Indrajit Gupta. Therefore, it is correct that he contacted him. But, there are four other hon. Members representing that district for example, as Mr. Salim referred to, Mr. Sudip Giri whose constituency has also been affected. He could have contacted him. Perhaps, he may not be knowing it. But, while selecting the personnel to be sent along with the official delegation, I most respectfully submit, he must apply his mind and keep in view the likely repercussions. Thank you.

श्री नरेश यादव (बिहार): महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन और प्रधानमंत्री जी का ध्यान जो प्राकृतिक विपदा बालासौर मिदनापुर में आई है, उसके प्रति अपना दुख प्रकट करते हुए, आकृष्ट करना चाहता हूं। महोदय, इस में जो तरीका सरकार के द्वारा अपनाया गया, हो सकता है कि अति-उत्साह में या हड़बड़ी में भूल हो सकती है, लेकिन मैं इस बात का स्वागत करता हूं कि वहां कमेटी भेजी गई। साथ-साथ, चूंकि मैं किसान परिवार से आता हूं और मैंने अपनी आंखों से देखा है प्रधान मंत्री महोदय, कि बिहार में भी इसका असर हुआ है। पूरा गेहूं बर्बाद हो गया। उड़द बर्बाद हो गया। दलहन की फसल बर्बाद हो गई। मैं आग्रह करना चाहता हूं कि निश्चित तौर से उड़ीसा और बंगाल में टीम भेजी जाए और साथ ही साथ बिहार में भी, पूर्वोत्तर बिहार से मैं आता हूं, वहां भी टीम भेजनी चाहिए, जो देखे कि किसानों की हालत आज क्या है। इसलिए मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। बहुत-बहुत धन्यवाद।

प्रो॰ विजय कुमार मल्होत्रा (दिल्ली) : सभापति महोदय, अत्यत दुखदायी घटना मिदनापुर के क्षेत्र में हुई और उसके लिए आज प्रातः इस सदन ने सर्वसम्मति से एक शोक प्रस्ताव भी, जो वहां मृत्यु को प्राप्त हुए हैं, उनके लिए पास किया है। हमे आशा तो यह थी कि प्रधान मंत्री जी ने इतनी तेजी से और ईतनी जल्दी जो कदम उठाया उसकी सब तरफ से प्रशंसा होती, लेकिन उसकी बजाय कुछ मुद्दे खड़े किए गए। सब से पहले उन्होंने इन्द्रजीत गुप्त जी को संपर्क किया। अभी यह कहा जा रहा है कि आपोज़ीशन से संपर्क करना चाहिए। तो क्या इन्द्रजीत गुप्त जी अब रूलिंग पार्टी में आ गए? क्या अब वह आपोज़िशन में नहीं? अगर वह आपोजीशन में हैं और उनसे सब से पहले संपर्क किया तो उनको चाहिए था कि वह कहते कि मैं नहीं जा सकता, पर मेरे क्षेत्र में पांच और एम॰पीज़ भी हैं उनमें से किसी को भेज दीजिए। फिर न भेजा जाता तब तो कोई आपत्ति की बात हो सकती थी। परन्तु मैं प्रधान मंत्री जी से जानना चाहता हूं, आपने कहा है प्रणब जी ने कि उनको केवल अखबार से क्यों पता लगा, तो क्या स्टेट गवर्नमैंट ने उसके ऊपर कार्यवाही की, उनको इन्फार्म किया कि वहां ये-ये घटनाएं हुई हैं? क्या स्टेट गवर्नमेंट ने जो प्रधान मंत्री जी से सहायता के लिए कोई अपील की और उन्होंने उसके बारे में कोई कदम उस समय नहीं उठाया? ऐसी क्या स्टेट गवर्नमेंट की यह जिम्मेदारी उन हालात में नहीं बनती है और स्टेट गवर्नमेंट ने क्या कदम उठाए, उनको संपर्क किया है या नहीं किया? मैं तो केवल इतना कहना चाहता हूं कि इस प्राकृतिक आपदा पर, दैवी विपत्ति पर सारा सदन एकमत है और इस तरह के प्रश्न उठा करके इसके ऊपर कोई विवाद खड़ा करना नहीं चाहिए।

श्री जलालुदीन अंसारी (बिहार): सभापति महोदय, मैं प्रधान मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि जब उन्हें सुबह अखबार के जरिए खबर मिली तो क्या उन्होंने पश्चिम बंगाल के मुख्य मंत्री से बात की कि वहां की स्थिति क्या है और बर्बादी की स्थिति क्या है और उन्होंने भी कुछ इनको कोई सुझाव दिया या नहीं दिया? जहां तक है कि श्री इन्द्रजीत गुप्त को इन्होंने कहा और किस परिस्थिति में उन्होंने जाने से असमर्थता जाहिर की, यह मैं नहीं जानता, लेकिन मैं कहना चाहूंगा कि खास करके जब प्राकृति विपदा आती है तो ऐसी स्थिति में राजनीति से ऊपर उठ करके उस क्षेत्र की जनता को तत्काल राहत मिले, उनको इस विपत्ति से बचाया जाए और जो बर्बादी हुई है उसकी भरपाई की जाए और उन लोगों को सहायता मिले। आज तक होता रहा है, बहुत सारी घटनाएं इस देश में घटी हैं, सभापति महोदय जी, तो उस समय उस क्षेत्र की सभी जो पोलिटीकल पार्टीज होती हैं उनका आल पार्टीज़ डेलीगेशन भेजा जाता है। मैं चाहूंगा कि यह पिक एंड चूज के आधार पर नहीं बल्कि वहां की स्थिति में और

सब लोगों का जन-सहयोग भी प्राप्त करना होगा। सरकारी सहयोग के अलावा जनता का सहयोग भी मिले, इसलिए मेरा एक सुझाव भी होगा कि दोनों हाउसेज़ का आल पार्टीज़ डेलीगेशन भी वहां भेजा जाना चाहिए।

†[شری جلال الدین انصاری "بہار": سبھاپتی مہودے - میں پردھان منتری جی سے جاننا چاہوں گا کہ جب انھیں صبح اخبار کے ذریعہ خبر ملی تو کیا انھوں نے پشچم بنگال کے مکھیہ منتری سے بات کی کہ وہاں کی استھتی کیا ہے - اور بربادی کی استھتی کیا ہے - اور انھوں نے بھی کچھ انکو کوئی سجھاؤ دیا یا نہیں دیا - جہاں تک ہے کہ شری اندرجیت گپتا کو انھوں نے کہا اور کس پرستھتی میں انھوں نے جانے سے سمرتھتا ظاہر کی - یہ میں نہیں جانتا - لیکن میں یہ کہنا چاہوں گا کہ خاص کر کے جب پراکرتک وپدا آتی ہے تو ایسی استھتی میں راجنیتی سے اوپر اٹھ کر کے اس چھیتر کی جنتا کو تتکال راحت ملے انکو اس وپتی سے بچایا جائے اور جو بربادی ہوئی ہے - اسکی بھرپائی کی جائے اور ان لوگوں کو سہائتا ملے - آج تک ہوتا رہا ہے - بہت ساری گھٹنائیں اس دیش میں گھٹی ہیں - سبھاپتی مہودے جی - تو اس سمے اس چھیتر کی سبھی جو پالیٹیکل پارٹیز ہیں - انکا آل پارٹیز ڈیلیگیشن بھیجا جاتا ہے - میں چاہوں گا کہ یہ ایک اینڈیوز کے آدھار پر نہیں بلکہ وہاں کی استھتی میں اور سب لوگوں کا جن سہیوگ بھی پراپت کرنا ہوگا - سرکاری سہیوگ کے علاوہ جنتا کا سہیوگ بھی ملے اس لئے میرا ایک سجھاؤ بھی ہوگا کہ دونوں ہاؤسیز کا آل پارٹیز ڈیلیگیشن بھی وہاں بھیجا جانا چاہیئے -]

श्री सभापति: देखिए, इस हाउस ने सब से पहले सुबह ओबीच्युरी के साथ-साथ शोक प्रस्ताव भी पास किया था। प्रधान मंत्री जी ने कुछ एक्शन लिया। कुछ लोगों ने और अपनी-अपनी बातें कह दीं। प्रधान मंत्री जी ने उसके बारे में अपनी बात कही। आपके जो सुझाव हैं, मेरा ख्याल है प्रधान मंत्री जी ने वे सुन ही लिए होंगे और वह वैसे ही आगे कर रहे हैं। मेरे ख्याल में हमने उनको जो बोलने का समय नहीं दिया, अपनी बात उनको कहने नहीं दी, यह हमने उनके साथ अन्याय किया है। इसलिए मैं चाहता यह हूं, जो आपके प्वायंट्स उन्होंने समझ लिए हैं और लोग भी, आप लीडर ऑफ द आपोजीशन हैं, और हैं, उनके साथ जा कर मिल लेंगे। जो कोई बात वह कहें आपस में बात कर लें। आपकी सब बात सुन ली है...**(व्यवधान)**

श्री एस० एस० अहलुवालिया: मिलने की बात नहीं।...(व्यवधान)

श्री सभापति: मेरी बात तो सुन लीजिए, मेरी बात तो सुन लीजिए। तो मेरे ख्याल में जो बातें आप बोल रहे हैं, वह अपनी बात खुद ही कहना चाहते थे जो कहने नहीं दी गई।...**(व्यवधान)**

श्री एस० एस० अहलुवालिया: कह लें।

श्री सभापति: देखिए, मेरी बात सुन लें। वह कह देंगे, वह कहना चाहते हैं, लेकिन आप में से कोई उठेगा नहीं, आप में से कोई बोलेगा नहीं।...**(व्यवधान)**

श्री एस० एस० अहलुवालिया: सर, यहां की परंपरा रही है...

श्री सभापति: बस-बस, हो गया।

†[ ]Transliteration in Arabic Script

श्री अटल बिहारी वाजपेयी: सभापति जी, मैं ने प्रारंभ में यह स्पष्ट किया था कि वहां किसी को भेजने में किसी तरह की राजनीति शामिल नहीं थी। रात को समाचार मिले, केवल अखबारों से आज की बात नहीं है, कल रात को यह समाचार प्राप्त हो गए थे कि वह सारा क्षेत्र तूफान से ग्रस्त है, बड़े पैमाने पर मौतें हुई हैं। सबेरे तो अखबारों से उस को जरा विशद रूप से उद्धृत कर के पेश किया। तो मेरे मित्र प्रणव मुखर्जी यह धारणा न बनाएं कि इस से पहले सूचना नहीं मिली थी। विभिन्न सूत्रों से इस तरह से सूचना मिली थी।

श्री एस० एस० अहलुवालिया: नहीं, आप ने खुद कहा सर...

श्री सभापति: फिर आप बोल रहे हैं, आप बीच में मत बोलिए। ...**(व्यवधान)** ...यह पंचायत नहीं, यह राज्य सभा है।...**(व्यवधान)**...आप ने कहा था बीच में कोई नहीं बोलेगा। ...**(व्यवधान)**....

श्री एस० एस० अहलुवालिया : आप रिकार्ड मंगा लीजिए क्या कहा उन्होंने। देख लीजिए, क्या कहा उन्होंने।

श्री सभापति: कुछ कहा हो, मेरी बात सुनिए। Rajya Sabha is not a court for cross-questioning. एक आदमी बोले फिर दूसरा आदमी बोले। यह सभा है और सभ्यता की सभा है। अगर सभ्यता नहीं है तो सभा नहीं रहेगी। यहां क्रास -क्युश्चनिंग नहीं हो रही है। यह बात पूरी कर लें तो आप बात कहिए, बीच में बोलने से न आप का काम पूरा होगा, न उन का काम पूरा होगा, न सभा का काम पूरा होगा और हम दुनियाभर में बदनाम होंगे कि हमें बात करनी नहीं आती।....**(व्यवधान)**...बीच में कोई नहीं बोलेगा। जब आप बोलेंगे तो भी कोई नहीं बोलेगा। ...**(व्यवधान)**...बाद में कहिएगा।

श्री एस० एस० अहलुवालिया: बाद में आप यह ऑर्डर देंगे।

श्री सभापति: दूँगा, अगर आप बार-बार खड़े होंगे।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी: सभापति जी, जैसे कि मैं ने शुरू में कहा था, जैसे ही समाचार मिला तो उस पर तत्काल कुछ कार्यवाही होनी चाहिए। प्रणव बाबू का यह कहना ठीक है कि पहले कोई टीम जाती है तो रिपोर्ट लाती है और फिर उस के बाद कौन से कदम उठाने हैं यह विचार होता है। तो सचमुच में जल्दबाजी का एक कारण यह है, जिसे आप जल्दबादी कह सकते हैं और जिस की वजह से सब संपर्क नहीं हो सका क्योंकि हम जल्दी-से-जल्दी यह कदम उठाना चाहते थे ओर इसलिए कृषि मंत्री से कहा गया कि वह जाने के लिए तैयार रहें। अब कृषि मंत्री जी जाने की तैयारी कर रहे थे और मुझ से विचार-विनिमय करने के लिए आए, उसी समय बालासोर के लोक सभा सदस्य आ गए। वह भी इस विपदा से पूरी तरह परिचित थे और वह चाहते थे कि सरकार उस संबंध में कुछ कदम उठाए। कुमारी ममता बनर्जी भी आई, मैंने उन्हें फोन कर के नहीं बुलाया। मैं ने अगर किसी को फोन किया तो श्री इंद्रजीत गुप्त को फोन किया। इस में मेरी गलती हो सकती है। मैं समझता था कि मिदनापुर के क्षेत्र का वही प्रतिनिधित्व करते हैं। अब मुझे पता लगा है कि पांच और लोक सभा के सदस्य हैं जो उस क्षेत्र के साथ जुड़े हुए हैं। तो मैं स्वीकार करता हूं। अगर मुझे पहले मालूम होता तो मैं उन से भी संपर्क स्थापित कर लेता और उन के भी जाने का प्रबंध कर देता। अब अगर आगे वह जाना चाहते हैं तो मैं प्रबंध करने के लिए तैयार हूं। सर्व-दलीय प्रतिनिधि मंडल भेजा जा सकता है।

सभापति जी, यह प्राकृतिक विपत्ति का मामला है। ऐसी घटिया राजनीति न मैं ने जिंदगी में कभी की है ओर न आगे कभी करूँगा, मैं यह विश्वास दिलाना चाहता हूं।

MR. CHAIRMAN: Now, this point is over. Now, Papers to be laid on the Table. ...*(Interruptions)*... Nothing more on this.

SYED SIBTEY RAZI (Uttar Pradesh): It is our right to seek information from the Prime Minister. I think you will protect us.

SHRI SUNDER SINGH BHANDARI (Rajasthan): This is not a statement.

SYED SIBTEY RAZI: I am not going to say anything. I just wanted to ...*(Interruptions)*... from the Prime Minister.

SHRI SUNDER SINGH BHANDARI: Mr. Chairman, Sir, this is not a statement on which clarifications can be sought.

सैयद सिब्ते रजी: मान्यवर, अगर आप तशरीफ रखें तो एक बात कह दूं। मैं माननीय प्रधान मंत्री जी का शुक्रिया अदा करना चाहूंगा कि उन्होंने इस मामले को बहुत ही संजीदगी से लिया। मान्यवर, मैं यह नहीं जानना चाहता कि आप ने कैसे किया केवल आप इतना बताइए ...**(व्यवधान)**...

†[سید سبط رضی: مانیور - اگر آپ تشریف رکھیں تو ایک بات کہہ دوں - میں مانیئے پردھان منتری جی کا شکریہ ادا کرنا چاہونگا کہ انہوں نے اس معاملے کو بہت ہی سنجیدگی سے لیا - مانیور - میں یہ نہیں جاننا چاہتا کہ آپ نے کیسے کیا لیکن آپ اتنا بتائے ۔۔۔ "مداخلت"۔۔]

श्री विष्णु कान्त शास्त्री: मान्यवर, इस तरह तो जो भी चाहेगा खड़ा हो जाएगा और जो भी चाहेगा बोलेगा ...(**व्यवधान**)...

SYED SIBTEY RAZI: Sir, as you protected the Treasury Benches, You also protect us.

श्री सभापति: एक मिनट। सिब्ते रज़ी जी, मैं आपसे बात कर रहा हूं। देखिए, प्रधानमंत्री जी ने यह कहा है कि वहां के पांच सदस्य जो हैं, ...(**व्यवधान**)... आप बैठ जाइए, जब मैं खड़ा हूं तो आप बैठ जाया कीजिए। ...(**व्यवधान**)... अब मैं खड़ा हूं तो आप बैठ जाइए। उन्होंने कहा है कि उस इलाके के पांच एम॰पीज़॰ जो हैं, जब वे जाना चाहें, और भी कोई जाना चाहें तो ऐसा सब कुछ करने को तैयार हैं। आपको इसके अलावा और कुछ पूछना है क्या?

सैयद सिब्ते रज़ी: जी हां। मैं प्रधानमंत्री जी की जो परेशानी है, उससे अपने को संबद्ध करना चाहता हूं। लेकिन, आज यह हाऊस लगने वाला था, जबरदस्त हानि हुई है, अखबारों के लिहाज से 150 लोग मारे गए हैं, बहुत क्षति हुई है, लोग वहां निश्चित रूप से त्राहि-त्राहि कर रहे हैं, तो क्या प्रधानमंत्री जी ने इमीडिएट रिलीफ के लिए अपने प्रधानमंत्री कोष से कोई धन देने की व्यवस्था की है? क्या माननीय प्रधानमंत्री जी का राब्ता वहां के मुख्यमंत्री जी से बना हुआ है? हम चाहते हैं कि इस मामले में केन्द्र सरकार और राज्य सरकार का समन्वय बना रहना चाहिए। आपदा बढ़ भी सकती है।

माननीय सभापति जी, हमारी चिंता यह नहीं है कि आपने हमको भेजा या नहीं भेजा बल्कि इससे ज्यादा चिंता हमारी यह है कि आप इस मामले पर इमीडिएट, फौरी कदम क्या उठा रहे हैं। क्योंकि यह हाऊस यहां पर लगा हुआ है, हम समझते है कि यह हमारा अधिकार है कि हम माननीय प्रधानमंत्री जी से जान सकें कि आपने तुरन्त क्या वहां पर रिलीफ की कार्यवाही की है?

†[سید سبط رضی: جی ہاں - میں جو پردھان منتری جی کی جو پریشانی ہے اس سے اپنے کو سمبدھ کرنا چاہتا ہوں - لیکن آج یہ ہاؤس لگنے والا تھا - زبردست ہانی ہوئی ہے - اخباروں کے لحاظ سے 150 لوگ مارے گئے ہیں - بہت شتی ہوئی ہے - لوگ وہاں نشچت روپ سے ترا ہی ترا ہی کر رہے ہیں تو کیا پردھان منتری جی نے امیجیٹ ریلیف کے لئے اپنے پردھان منتری فنڈ سے کوئی دھن دینے کی ویوستھا کی ہے - کیا مانیئے پردھان منتری جی کا رابطہ وہاں کے مکھیہ منتری جی سے بنا ہوا ہے - ہم چاہتے ہیں کہ اس معاملے میں کیندر سرکار اور راجیہ سرکار کا سمنوے بنا رہنا چاہیئے - آپدا بڑھ بھی سکتی ہے - مانیئے سبھاپتی جی - ہماری چنتا یہ نہیں ہے کہ آپ نے ہم کو بھیجا یا نہیں بھیجا بلکہ اس سے زیادہ چنتا ہماری یہ ہے کہ آپ اس معاملے پر امیجیئیٹ - فوری قدم کیا اٹھا رہے ہیں - کیونکہ یہ ہاؤس یہاں پر لگا ہوا ہے - ہم سمجھتے ہیں کہ یہ ہمارا ادھیکار ہے کہ ہم مانیئے پردھان منتری جی سے جان سکیں کہ آپ

†[ ]Transliteration in Arabic Script

نے تورنت کیا وہاں پر ریلیف کی کارروائی کی ہے۔]

श्री अटल बिहारी वाजपेयी: सभापति जी, तत्काल राहत के लिए प्रधानमंत्री कोष से एक करोड़ रुपए की घोषणा कर दी गई है। इसके साथ ही केन्द्रीय सरकार एडवान्स रिलीज कर रही है 10.20 करोड़ उड़ीसा के लिए और 10.60 करोड़ पश्चिम बंगाल सरकार के लिए। हमारा सेंटर का जो केलेमिटि रिलीफ फण्ड है, उसमें से यह एडवान्स दिया जा रहा है। जैसे ही राज्य सरकार से रिपोर्ट आएगी और हमारी जो टीम गई है वह अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत करेगी कि कितनी क्षति हुई है, विपत्ति का आकार कितना है, तो उसके अनुसार केन्द्र सरकार और भी कदम उठाएगी, पूरी तरह से सहायता देने के लिए तैयार होगी।

MR. CHAIRMAN: Papers to be laid on the Table.

PAPERS LAID ON THE TABLE
Copies of Ordinances

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI R.K. KUMAR): Sir, I lay on the Table, under sub-clause (a) of clause (2) of article 123 of the Constitution, a copy each (in English and Hindi) of the following Ordinances:—

(1) The Representation of the People (Amendment) Ordinance, 1997 (No. 23 of 1997), promulgated by the President on the 23rd December, 1997. [Placed in Library. *See* No. LT-3/98]

(2) The Finance (Second Amendment) Ordinance, 1997 (No. 24 of 1997), promulgated by the President on the 24th December, 1997. [Placed in Library. *See* No. LT-4/98]

(3) The Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions (Amendment) Second Ordinance, 1997 (No. 25 of 1997), promulgated by the President on the 25th December, 1997. [Placed in Library. *See* No. LT-5/98]

(4) The Payment of Gratuity (Amendment) Second Ordinance, 1997 (No. 26 of 1997), promulgated by the President on the 25th December, 1997. [Placed in Library. *See* No. LT-6/98]

(5) The Merchant Shipping (Amendment) Second Ordinance, 1997 (No. 27 of 1997), promulgated by the President on the 25th December, 1997. [Placed in Library. *See* No. LT-7/98]

(6) The Income-Tax (Amendment) Second Ordinance, 1997 (No. 28 of 1997), promulgated by the President on the 26th December, 1997. [Placed in Library. *See* No. LT-8/98]

(7) The Prasar Bharati (Broadcasting Corporation of India) Amendment Second Ordinance, 1997 (No. 29 of 1997), promulgated by the President on the 26th December, 1997. [Placed in Library. *See* No. LT-9/98]

(8) The Contingency Fund of India (Amendment) Ordinance, 1997 (No. 30 of 1997), promulgated by the President on the 26th December, 1997. [Placed in Library. *See* No. LT-10/98].

(9) The Lotteries (Regulation) Second Ordinance, 1997 (No. 31 of 1997), promulgated by the President on the 30th December, 1997. [Placed in Library. *See* No. LT-11/98]

(10) The Essential Commodities (Special Provisions) Second Ordinance, 1998 (No. 1 of 1998), promulgated by the President on the 2nd January, 1998. [Placed in Library. *See* No. LT- 12/98]

(11) The National Institute of Pharmaceutical Education and Research Ordinance, 1998 (No. 2 of